Num

Chapter 30

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיְדַבֵּר	מֹשֶׁה	אֶל־	רָאשֵׁי	הַמַּטּוֹת	לִבְנֵי	יִשְׂרָאֵל	לֵאמֹר	זֶה	הַדָּבָר	אֲשֶׁר
और-बोला	मूसा	से	मुखियों-के	गोत्रों-के	पुत्रों-के-लिए	इस्राएल	कहते-हुए	यह	बात	जो
H1696	H4872	H0413		H4294		H3478	H0559	H2088	H1697	

צִוָּה	יְהוָה׃
आज्ञा-दी	यहोवा
H6680	H3068

मूसा ने सभी इस्राएली परिवार समूहों के नेताओं से बातें कीं। मूसा ने यहोवा के इन आदेशों के बारे में उनसे कहा:

2

אִישׁ	כִּי־	יִדֹּר	נֶדֶר	לַיהוָה	אוֹ־	הִשָּׁבַע	שְׁבֻעָה	לֶאְסֹר	אִסָּר	עַל־
पुरुष	जब	मानेगा	मन्नत	यहोवा-के-लिए	या	शपथ-खाएगा	शपथ	बांधने-को	बंधन	पर
H0376		H5087	H5088	H3068		H7650	H7621	H0631	H0632	

נַפְשׁוֹ	לֹא	יַחֵל	דְּבָרוֹ	כְּכָל־	הַיֹּצֵא	מִפִּיו	יַעֲשֶׂה׃
प्राण-अपने	नहीं	वह-तोड़ेगा	वचन-अपना	सब-के-अनुसार	जो-निकला	मुंह-उसके-से	वह-करेगा
H5315	H3808		H1697	H3605	H3318	H6310	

“यदि कोई व्यक्ति परमेश्वर को विशेष वचन देता है या यदि वह व्यक्ति यहोवा को कुछ विशेष अर्पित करने का वचन देता है तो उसे वैसा ही करने दो। किन्तु उस व्यक्ति को ठीक वैसा ही करना चाहिए जैसा उसने वचन दिया है।

3

וְאִשָּׁה	כִּי־	תִדֹּר	נֶדֶר	לַיהוָה	וְאָסְרָה	אִסָּר	בְּבֵית	אָבִיהָ	בִּנְעֻרֶיהָ׃
और-स्त्री	जब	मानेगी	मन्नत	यहोवा-के-लिए	और-बांधेगी	बंधन	में-घर	पिता-उसके	जवानी-उसकी-में
H0802		H5087	H5088	H3068	H0631	H0632		H0001	

“सम्भव है कि कोई युवती अपने पिता के घर पर ही रहती हो और वह युवती यहोवा को कुछ चढ़ाने का विशेष वचन देती है

4

וְשָׁמַע	אָבִיהָ	אֶת־	נִדְרָהּ	וֶאֱסָרָהּ	אֲשֶׁר	אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ
और-सुनेगा	पिता-उसका	को	मन्नत-उसकी	और-बंधन-उसका	जो	बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके
H8085	H0001	H0853	H5088	H0632		H0631		H5315

וְהֶחֱרִישׁ	לָהּ	אָבִיהָ	וְקָמוּ	כָּל־	נִדְרֶיהָ	וְכָל־	אִסָּר	אֲשֶׁר־	אָסְרָה
और-चुप-रहेगा	उससे	पिता-उसका	और-खड़ी-होंगी	सब	मन्नतें-उसकी	और-सब	बंधन	जो	बांधा-उसने
		H0001		H3605	H5088	H3605	H0632		H0631

עַל־	נַפְשָׁהּ	יָקוּם׃
पर	प्राण-उसके	खड़ी-होंगी
	H5315	

और उसका पिता इस वचन के विषय में सुनता है और उसे स्वीकार करत लेता है तो उस युवती को उस वचन को अवश्य ही पूरा कर देना चाहिए जिसे करने का उसने वचन दिया हैं।

5

וְאִם־	הֵנִיא	אָבִיהָ	אֹתָהּ	בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ	כָּל־	נִדְרֶיהָ	וֶאֱסָרֶיהָ	אֲשֶׁר־
और-यदि	रोकेगा	पिता-उसका	उसे	दिन-में	सुनने-अपने	सब	मन्नतें-उसकी	और-बंधन-उसके	जो
	H5106	H0001	H0853	H3117	H8085	H3605	H5088	H0632	

אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ	לֹא	יָקוּם	וַיהוָה	יִסְלַח־	לָהּ	כִּי־	הֵנִיא	אָבִיהָ
बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके	नहीं	खड़ी-होंगी	और-यहोवा	क्षमा-करेगा	उसे	क्योंकि	रोका	पिता-उसके
H0631		H5315	H3808		H3068	H5545			H5106	H0001

אֹתָהּ׃
उसे
H0853

किन्तु यदि उसका पिता उसके दिये गये वचनों के बारे में सुन कर उसे स्वीकार नहीं करता तो उस युवती को वह वचन पूरा नहीं करना है। उसके पिता ने उसे रोका अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

6

וְאִם־	הָיוֹ	תִהְיֶה	לְאִישׁ	וּנְדָרֶיהָ	עָלֶיהָ	אוֹ	מִבְטָא	שִׂפְתֶיהָ	אֲשֶׁר
और-यदि	होते-होते	होगी	पुरुष-के-लिए	और-मन्नतें-उसकी	उस-पर	या	उच्चारण	होंठों-उसके	जो
	H1961	H1961	H0376	H5088			H4008	H8193	

אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ׃
बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके
H0631		H5315

“सम्भव है कोई स्त्री अपने विवाह से पहले यहोवा को कोई वचन देती है अथवा बात ही बात में बिना सोचे विचारे कोई वचन ले लेती है और बाद में उसका विवाह हो जाता है

7

וְשָׁמַע	אִישָׁהּ	בְּיוֹם	שָׁמְעוֹ	וְהֶחֱרִישׁ	לָהּ	וְקָמוּ	נְדָרֶיהָ	וֶאֱסָרֶהָ
और-सुनेगा	पति-उसका	दिन-में	सुनने-अपने	और-चुप-रहेगा	उससे	और-खड़ी-होंगी	मन्नतें-उसकी	और-बंधन-उसके
H8085	H0376	H3117	H8085				H5088	H0632

אֲשֶׁר־	אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ	יָקֻמוּ׃
जो	बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके	खड़ी-होंगी
	H0631		H5315	

और पति दिये गये वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार करता है तो उस स्त्री को अपने दिये गए वचन के अनुसार काम को पूरा करना चाहिए।

8

וְאִם	בְּיוֹם	שְׁמֹעַ	אִישָׁהּ	יָנִיא	אוֹתָהּ	וְהֵפֵר	אֶת־	נִדְרָהּ	אֲשֶׁר	עָלֶיהָ
और-यदि	दिन-में	सुनने	पति-उसका	रोकेगा	उसे	और-तोड़ेगा	को	मन्नत-उसकी	जो	उस-पर
	H3117	H8085	H0376	H5106	H0853		H0853	H5088		

וְאֵת	מִבְטָא	שִׂפְתֶיהָ	אֲשֶׁר	אָסְרָה	נַפְשָׁהּ	עַל־	יַיְהוָה	יִסְלַח־	לָהּ׃
और-को	उच्चारण	होंठों-उसके	जो	बांधा-उसने	प्राण-उसके	पर	और-यहोवा	क्षमा-करेगा	उसे
H0853	H4008	H8193		H0631	H5315		H3068	H5545	

किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे स्वीकार नहीं करता तो स्त्री को अपने दिये गए वचन को पूरा नहीं करना पड़ेगा। उसके पति ने उसका वचन तोड़ दिया और उसने उसे उसकी कही बात को पूरा नहीं करने दिया, अतः यहोवा उसे क्षमा करेगा।

9

וְנֵדֶר	אַלְמָנָה	וּגְרוּשָׁה	כֹּל	אֲשֶׁר־	אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ	יָקוּם	עָלֶיהָ׃
और-मन्नत	विधवा-की	और-त्यागी-की	सब	जो	बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके	खड़ी-होगी	उस-पर
H5088	H0490	H1644	H3605		H0631		H5315		

“कोई विधवा या तलाक दी गई स्त्री विशेष वचन दे सकती है। यदि वह ऐसा करती है तो उसे ठीक अपने वचन के अनुसार करना चाहिए।

10

וְאִם־	בַּיִת	אִישָׁהּ	נָדָרָה	אוֹ־	אָסְרָה	אָסָר	עַל־	נַפְשָׁהּ	בִּשְׁבֻעָה׃
और-यदि	घर-में	पति-उसके	मानी-उसने	या	बांधा-उसने	बंधन	पर	प्राण-उसके	शपथ-में
		H0376	H5087		H0631	H0632		H5315	H7621

“एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है।

11

וְשָׁמַע	אִישָׁהּ	וְהֶחֱרִשׁ	לָהּ	לֹא	הֵנִיא	אֹתָהּ	וְקָמוּ	כָּל־	נְדָרֶיהָ
और-सुनेगा	पति-उसका	और-चुप-रहा	उससे	नहीं	रोका	उसे	और-खड़ी-होंगी	सब	मन्नतें-उसकी
H8085	H0376			H3808	H5106	H0853		H3605	H5088

וְכָל־	אָסָר	אֲשֶׁר־	אָסְרָה	עַל־	נַפְשָׁהּ	יָקוּם׃
और-सब	बंधन	जो	बांधा-उसने	पर	प्राण-उसके	खड़ी-होगी
H3605	H0632		H0631		H5315	

यदि उसका पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उसे अपने वचन को पूरा करने देता है, तो उसे ठीक अपने दिए गए वचनों के अनुसार ही वह कार्य करना चाहिए।

12

וְאִם־	הָפֵר֙	יָפֵ֔ר	אֹתָ֖ם	אִישָׁ֑הּ	בְּיֹ֣ום	שָׁמְעֹ֔ו	כָּל־	מוֹצָ֥א
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	पति-उसका	दिन-में	सुनने-अपने	सब	उच्चारण
			H0853	H0376	H3117	H8085	H3605	H4161

שְׂפָתֶ֖יהָ	לְנִדְרֶ֣יהָ	וּלְאֵסָ֣ר	נַפְשָׁ֑הּ	לֹ֣א	יָקֻ֔ום	אִישָׁ֥הּ	הֵפֵ֖ר	וַיהוָ֣ה	יִסְלַח־
होंठों-उसके	मन्नतों-उसकी-के-लिए	और-बंधन-को	प्राण-उसके	नहीं	खड़ी-होगी	पति-उसके	तोड़ा-उन्हें	और-यहोवा	क्षमा-करेगा
H8193	H5088	H0632	H5315	H3808		H0376		H3068	H5545

לָ֑הּ׃
उसे

किन्तु यदि उसका पति उसके दिये गए वचन को सुनता है और उसे वचन पूरा करने से इन्कार करता है, तो उसे अपने दिये वचन के अनुसार वह कार्य पूरा नहीं करना पड़ेगा। इसका कोई महत्व नहीं होगा कि उसने क्या वचन दिया था, उसका पति उस वचन को भंग कर सकता है। यदि उसका पति वचन को भंग करता है, तो यहोवा उसे क्षमा करेगा।

13

כָּל־	נֶ֣דֶר	וְכָל־	שְׁבֻעַ֣ת	אִסָּ֗ר	לְעַנֹּ֤ת	נֶ֙פֶשׁ֙	אִישָׁ֔הּ	יְקִימֶ֥נּוּ	וְאִישָׁ֖הּ
सब	मन्नत	और-सब	शपथ	बंधन-का	दुखित-करने-को	प्राण	पति-उसका	स्थिर-करेगा-उसे	और-पति-उसका
H3605	H5088	H3605	H7621	H0632		H5315	H0376		H0376

יְפֵרֶ֥נּוּ׃
तोड़ेगा-उसे

एक विवाहित स्त्री यहोवा को कुछ चढ़ाने का वचन दे सकती है या स्वयं को किसी चीज़ से वंचित रखने का वचन दे सकती है या वह परमेश्वर को कोई विशेष वचन दे सकती हैं। उसका पति उन वचनों में से किसी को रोक सकता है या पति उन वचनों में से किसी को पूरा करने दे सकता है।

14

וְאִם־	הַחֲרֵ֨שׁ	יַחֲרִ֜ישׁ	לָ֗הּ	אִישָׁ֤הּ	מִיֹּום֙	אֶל־	יֹ֔ום	וְהֵקִ֖ים	אֶת־	כָּל־
और-यदि	चुप-रहते-रहते	चुप-रहेगा	उससे	पति-उसका	दिन-से	को	दिन	और-स्थिर-करेगा	को	सब
				H0376	H3117	H0413	H3117		H0853	H3605

נְדָרֶ֣יהָ	אֹו֩	אֶת־	כָּל־	אֲסָרֶ֨יהָ	אֲשֶׁר	עָלֶ֜יהָ	הֵקִ֗ים	אֹתָם֙	כִּי־	הֶחֱרֵ֥שׁ	לָ֖הּ
मन्नतों-उसकी	या	को	सब	बंधनों-उसके	जो	उस-पर	स्थिर-किए	उन्हें	क्योंकि	चुप-रहा	उससे
H5088		H0853	H3605	H0632				H0853			

בְּיֹ֥ום	שָׁמְעֹ֖ו׃
दिन-में	सुनने-अपने
H3117	H8085

पति अपनी पत्नी को कैसे अपने वचन पूरा करने देगा यदि वह दिये वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता नहीं है तो स्त्री को अपने दिए वचन के अनुसार कार्य को पूरा करना चाहिए।

15

וְאִם־	הָפֵ֥ר	יָפֵ֖ר	אֹתָ֑ם	אַחֲרֵ֣י	שָׁמְעֹ֔ו	וְנָשָׂ֥א	אֶת־	עֲוֹנָֽהּ׃
और-यदि	तोड़ते-तोड़ते	तोड़ेगा	उन्हें	बाद-में	सुनने-अपने	और-वह-उठाएगा	को	अपराध-उसका
			H0853		H8085	H5375	H0853	H5771

किन्तु यदि पति दिये गए वचन के बारे में सुनता है और उन्हें रोकता है तो उसके वचन तोड़ने का उत्तरदायित्व पति पर होगा।”

16

אֵ֣לֶּה	הַחֻקִּ֗ים	אֲשֶׁ֤ר	צִוָּה֙	יְהוָ֔ה	אֶת־	מֹשֶׁ֖ה	בֵּ֣ין	אִ֑ישׁ	בֵּ֣ין	אָ֔ב	בֵּ֥ין
ये	विधियाँ	जो	आज्ञा-दी	यहोवा	को	मूसा	बीच	पुरुष	बीच	पिता	बीच
H0428	H2706		H6680	H3068	H0853	H4872	H0996	H0376	H0996	H0001	H0996

לְאִשְׁתֹּ֥ו	לְבִתֹּ֖ו	בִּנְעֻרֶ֑יהָ	בֵּ֥ית	אָבִֽיהָ׃	פ
और-पत्नी-उसकी	और-बेटी-उसकी	जवानी-उसकी-में	घर-में	पिता-उसके	—
H0802	H1323			H0001	

ये आदेश है जिन्हें यहोवा ने मूसा को दिया। ये आदेश एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बारे में है तथा पिता और उसकी उस पुत्री के बारे में है जो युवती हो और अपने पिता के घर में रह रही हो।